वीर निर्वाण स्माराक-१९७५ (फोल्डर नं. ०४०३१)

सम्पादक – भँवरलाल पोल्याका

मुख्य टाइटल

अपनी बात

प्रकाशकीय

सम्पादक की कलम से

प्रबन्ध सम्पादक की कलम से

प्रथम खण्ड – भगवान महावीर-जीवन, चिन्तन, और देशना

मंगलाचरणम्-- १

लोकतंत्र की बुनियाद महावीर का दर्शन – आचार्य श्री तुलसी -----------------------------------२

भगवान महावीर की कैवल्य साधना – मुनिश्री नगराजजी डी. लिट् ---------------------------- ५

वीर वंदना (कविता) – श्री शोभनाथ पाठक --८

जैन परम्परा में ध्यान – मुनि श्री नथमल --- ९

महावीर का आत्मवाद और सुखवादी परम्परा – मुनि श्री गुलाबचन्द निर्मोही -----------------१३

वीर इस भू पर पुनः आना पड़ेगा (कविता) – श्री हजारीलाल जैन ----------------------------- १६

तीर्थंकर – डॉ. नरेन्द्र भानावत -- १७

भगवान महावीर एक चरित्र या चारित्र – श्री प्रवीणचन्द छाबड़ा ------------------------------ २३

एक दृष्टि भरपूर (कविता) – श्री तारादत्त -- २४

सत्य बनाम महावीर-महावीर बनाम सत्य – साध्वी श्री कस्तूरांजी ---------------------------- २५

भगवान महावीर की अन्तः क्रान्ति – साध्वी श्री संघमित्राजी --------------------------------- २७

ध्यान योगी महावीर – साध्वी श्री ऊषाकुमारीजी ---३१

भगवान महावीर की क्षमता – साध्वी श्री धनकुमारीजी -------------------------------------- ३३

महावीर निर्वाण तुम्हारा – डॉ. नरेन्द्र भानावत-- ३६

भगवान महावीर और कर्म सिद्धान्त – साध्वी ज्ञानमतिजी ----------------------------------- ३७

स्वतन्त्र चेतना के सजग प्रहरी महावीर – साध्वी श्री कनकश्रीजी ----------------------------- ३९

भगवान महावीर और नारी जागृति – मुनि श्री मोहनलालजी --------------------------------- ४३

महावीर की खिदमत – साध्वी आनन्दश्रीजी -- ४६

एक स्थायी समाधान – साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी -------------------------------------- ४७

भगवान महावीर की तप साधना – श्री रमेशचन्द्र जैन -------------------------------------- ४९

दीक्षा-दिवस एवं दीर्घ तपस्वी महावीर – प्रो. डा. राजाराम जैन ------------------------------- ५५

जैन दर्शन की दैनिक जीवन में उपयोगिता – प्रो. प्रवीणचन्द्र जैन ---------------------------- ५९

जय महावीर की गूंज उठी (कविता) – श्री गुलाबचन्द जैन वैद्य ------------------------------ ६२

भगवान महावीर का स्याद्वाद – डॉ. प्रेमसुमन जैन -- ६५

आध्यात्मिक ऊर्जा के केन्द्रक-भगवान महावीर – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री ---------------------- ६९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

दीप जले (कविता) – श्री घासीराम जैन -- ७२
वीतरागी व्यक्तित्व-भगवान महावीर – डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल --------------------------------- ७३
तीन सत्य (कविता) – सुश्री सुशीलाकुमारी वैद -- ७८
दीवाली और उसका रूप – डॉ. कन्छेदीलाल शास्त्री – दीवाली और उसका रूप ----------------- ७९
चकले की वेश्या सदाचार का उपदेश (कविता) – श्री पदम कुमार सेठी ----------------------- ८२
भगवान महावीर और उनका अपरिग्रहवाद – श्रीमती विद्यापती जैन --------------------------- ८३
समकालीन भौतिकवाद और भगवान महावीर – श्री कन्हैयालाल लोढ़ा ------------------------ ८७
संयम की राह (कविता) – श्री कार्तिकेयकुमार जैन --- ९०
भगवान महावीरका शारीरिक एवं गुणों का प्राचीन वर्णन – श्री अगरचन्द नाहटा --------------- ९१
भगवान महावीर के जीवन दर्शन का वैज्ञानिक विश्लेषण – श्री राजधर जैन ------------------- ९५
जैन धर्म में श्रावक की महत्ता – श्री जमनालाल -- ९९
सूक्ति-दोहन – मुनिश्री छत्रमलजी -- १०६
मानव के सुख का अधिष्ठान अपरिग्रह – श्री यशपाल जैन ----------------------------------- १०७
जैन दर्शन की व्यापकता – डॉ. गोकुलचन्द्र जैन --- १०९
जय जय युग नाम-वीर प्रभु – मेरे प्रणाम (कविता) – डॉ. महेन्द्रसागर प्रचंडिया ------------- ११४
अहिंसा बनाम हिंसा – श्री प्रतापचन्द्र जैन -- ११५
कर्तव्य वीर (कविता) – श्री बशीर अहमद --११८
ज्ञानमये हि आत्मा – श्री उदचन्द्र शास्त्री -- ११९
तू स्वतनत्र संगीत है (कविता) – श्री प्रसन्नकुमार सेठी ------------------------------------ १२२
भगवान महावीर का केन्द्रीय सिद्धान्त अङिंसा-एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. सागरमल जैन -- १२३
जैन दर्शन में जीवात्मा तथा मुक्तात्मा – डॉ. प्रमोदकुमार जैन ------------------------------- १३३
अनुमान और उसके प्रकार – साध्वी श्री कनकप्रभाजी --------------------------------------- १३९
पाश्चात्य भौतिकवाद और उसके विनाशकारी परिणाम – श्री बिरधीलाल सेठी ----------------- १४३
शारदा स्तुतिः – आचार्य श्री विद्यासागरजी --- १४८
मृत्यु नहीं निर्वाण क्यों – श्री रिषभदास रांका --- १४९
सर्वोदय तीर्थ जैन धर्म – श्री राजकुमार शास्त्री -- १५३
क्यों न बहे ज्ञान ज्योति धारा (कविता) डॉ. छैलबिहारी गुप्त --------------------------------- १५६
महावीर काल में सामाजिक व्यवस्था – डॉ. श्री कस्तूरचन्द कासलीवाल --------------------- १५७
द्वितीय खण्ड – कला, संस्कृति और साहित्य
वर्धमानो जिनेशः – श्री नेमिचन्द्र जैन --- १
जैन कला वैभव – श्री शैलेन्द्रकुमार रस्तोगी --२
बिहार का इतिहास और जैन पुरातत्त्व – श्री दिगम्बरदास जैन ----------------------------------- ५
भगवान महावीर की पावन जन्मभूमि कुण्डपुर – डॉ. शोभनाथ पाठक -------------------------- ९
जैन धर्म और बिहार – प्रो. श्रीरंजनसूरिदेव -- ११

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

श्री निर्वाण क्षेत्र वंदना (कविता) – श्री लाडलीप्रसाद जैन पापडीवाल ---------------------------- १४
जैन शिल्प और कला – श्री चन्दनमल -- १५
प्राचीन ऐतिहासिक नगरी जूना (बाहड़मेर) तथा जैन तीर्थ नाकोड़ा – श्री भूरचन्द जैन --------- १७
बाल महावीर स्तवन (कविता) – श्री अनोखीलाल अजमेरा ------------------------------------ २४
वीर के अनुयायियों का कला प्रेम – पं. श्री उदय जैन--- २५
अमृत वाणी – श्री रमेशचन्द्र बाझल--- २८
राजस्थान की प्राचीन जैन मूर्त कला – श्री विजयशंकर श्रीवास्तव ----------------------------- २९
श्री वीर नामावली-कीर्तन (कविता – डॉ. धन्नालाल जैन ------------------------------------- ३५
चित्तौड़ पट्ट के दिगम्बर भट्टारक – डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन ----------------------------------- ३७
आलोकित साथ लोकाकाश (कविता) – डॉ. कुसुम पटोरिया ------------------------------------ ४०
भगवान महावीर विषयक पुरातत्वीय प्रमाण – प्रो. कृष्मदत्त वाजपेयी ------------------------- ४१
हाथी गुम्फा शिलालेख की विषय वस्तु – श्री नीर जैन, डॉ. कन्हैयालाल अग्रवाल ------------- ४५
युग का अर्चन (कविता) – वैद्य ज्ञानेन्द्र -- ५४
श्री वीर परिनिर्वाण भूमि की झांकी – आचार्य अनन्दप्रसाद जैन लोकपाल --------------------- ५७
ऐतिहासिक जैन तीर्थ राणकपुर (कविता) – मुनिश्री छत्रमल ---------------------------------- ६२
वट्ट केराचार्य और मूलाचार – पं. परमानन्द जैन शास्त्री ------------------------------------ ६५
कैसे भूल सकेगा तुमको (कविता) – श्री शर्मनलाल सरस ------------------------------------ ६८
ब्रह्म जयसागर का सीताहरण – श्रीमती पुष्पलता जैन -- ६९
दीप की दीपित कतारे (कविता) – पं. प्रेचमन्द -- ७२
पुनीत आगम साहित्य का नीति शास्त्रीय सिंहावलोकन – डॉ. बालकृष्ण ----------------------- ७३
भगवान महावीर के प्रति – मुनि श्री दिनकर --- ७८
अहिंसा धर्म प्रचारक – तमिल संत तिरुवलुवर – डॉ. इन्दरराज वैद---------------------------- ७९
वह दीप जो एक बार जला (कविता) – श्री दयचन्द -- ८४
इतिहास-पुरुष नेमि प्रभु की लोकप्रियता – श्री कुन्दनलाल जैन ------------------------------ ८५
तीर्थंकरत्व और बुद्धत्व प्राप्ति के निमित्तों का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. भागचन्द जैन -------- ९१
हिन्दी साहित्य में भगवान महावीर स्वामी – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे -------------------------- ९९
प्राणी का उद्धार करेगा महावीर सन्देश तुम्हारा – पं. अनूपचन्द न्यायतीर्थ -------------------- १११
आर्य भट्ट और उन पर जैन ज्योतिष का प्रभाव – वैद्य प्रकाश चन्द -------------------------११३

तृतीय खण्ड – राजस्थानी भाशा री रचनावा

भगवान महावीर (कविता राजस्थानी) – श्री भँवरलाल नाहटा ----------------------------------- १
परभु पालणिये – डॉ. महेन्द्र भानावत --३
महावीर रा दर्शन में तत्त्वचिन्तन – डॉ. शान्ता भानावत ------------------------------------- ७
तीर्थंकर महावीर – श्री महावीर कोटिया--- १०
अहिंसा रा दूत–भगवान महावीर – श्री प्रेमचन्द रांवका ---------------------------------------१३
गौतम, त्याग प्रमाद तू – डॉ. मनोहर शर्मा -- १५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भगवान महावीर – श्री हुकमचन्द -- १६

English Contents

Lord Mahavir aand Marx – Dr. Harendra Pd. Verma -- 1
Transitoriness of Health and Wealth – V. P. Jain -- 8
Fundamentals of jain Mysticism – Dr. Kamal Chand Sogani-------------------------------------- 9
The Message of Dharma – V. P. Jain --- 14
Serpent Cult and Jain Tirthankars – Digambardas Jain Advocate ---------------------------- 15
Why Groan – V. P. Jain--- 20
Development of Jain Art – K. D. Bajpai -- 21
255 Years of Jainism – Muni Shri Mahendrakumarji -- 25

पंचम खण्ड – लोककल्याण की ओर बढ़ते चरण